2021
HINDI
[GENERAL]
Paper : III

Full Marks : 100 Time : 3 Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 1×6=6

क) अमरकांत की पत्नी का नाम क्या है ?

ख) 'आत्मन' किस रचना का पात्र है?

ग) 'ध्रुवस्वामिनी' में मिहिरदेव की पुत्री का नाम क्या है?

घ) 'मिस्टर अभिमन्यु' के मुख्य पात्र का नाम क्या है?

ङ) गयादत्त किस नाटक का प्रमुख चरित्र है ?

च) बुधिया किस कहानी की प्रमुख पात्र है ?

छ) मिरदंगिया किस रचना का पात्र है ?

ज) प्रासंगिक कहानियाँ के सम्पादक कौन है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **ग्यारह** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×11=22

क) रेणुका देवी किस रचना की पात्र है ? उनकी कितनी संताने है ?

ख) केजरीवाल किस पुस्तक का पात्र है ? उस पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?

ग) ''अमृतसार आ गया है'' कहानी के कहानीकार कौन है, उनकी एक और कहानी का नाम लिखिए।

घ) ''पाकिस्तान में तुमलोगो के क्या हाल है?''—यह कथन किसका एवं किसके प्रति है?

ङ) शुक्ल जी के अनुसार कविता का अंतिम लक्ष्य क्या है?

च) ''राम। तुम अभी इस दुर्ग से बाहर आओ।'' यह किसका कथन है? 'राम' किसे कहा गया है?

छ) जुबैदा, किश्वर, और सुलताना कौन है?

ज) 'कर्मभूमि' में वर्णित किन्हीं दो समस्याओं का नामोल्लेख कीजिए ।

झ) ''पाकिस्तान में तुमलोगो के क्या हाल है ?''—यह कथन किसका एवं किसके प्रति है ?

ञ) ''क्यों रोता है बेटा, खुश हो कि वह माया-जाल से मुक्त हो गयी ।''—यह कौन किससे कहता है ?

ट) 'रूपसी' और 'पियासी' शब्दों का प्रयोग किस पाठ में किसके लिए हुआ है ?

ठ) रामगुप्त की दो चारित्रिक दुर्बलताओं का उद्‌घाटन कीजिए ।

ड) विमल और मिसेस राठौर किनकी पत्नियाँ है ?

ढ) सुखदा की दो चारित्रिक विशेषताएं लिखिए ।

3. किन्हीं **सात** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6×7=42

क) तुम सुंदर हो, ओह कितनी सुंदर ! किंतु सोने के कटार पर मुग्ध होकर उसे कोई अपने हृदय में डूबो नहीं सकता ।

ख) बाहर की कोठरी में मुंशीजी औंधे मुँह होकर निशिंचतता के साथ सो रहे थे, जैसे डेढ़ महीने पूर्व मकान किराया-नियंत्रण विभागी क्लर्की से उनकी छँटनी न हुई हो शाम को काम की तलाश में कहीं न जाना हो ।

ग) मुझे तब इतना नहीं पता था कि यहाँ हर मूल्य की जड़ में वही गुलामी है, आज्ञाकारी होना किसी ऐसे चक्रव्यूह मैं पैर रखना है.... मुझे इस धोखे का पता नहीं था।

घ) ''तुम्हें सारी चीजें याद हैं, तभी तो इतनी दुखी हो। मैं कहता हूँ दुनियाँ जहन्नुम में जाय, तुम्से क्या?... मुझसे क्या? क्या है हमारे अधिकार में?''

ङ) सुंदर और कुरुप-काव्य में बस ये ही दो पक्ष हैं? भला-बुरा, शुभ-अशुभ, पाप-पुण्य, मंगल-अमंगल, अनुपयोगी-उपयोगी—ये सब काव्य क्षेत्र के बाहर के है।

च) लोग आजादी की बातें करते हैं । उन्हें इतना भी पता नहीं कि इन्सान नीचे और नीचे धसँता चला जाता है ।

छ) जेठ की चढ़ती दोपहरी में खेंतों में काम करनेवाले भी अब गीत नहीं गाते हैं । कुछ दिनों के बाद कोयल भी कूकना

भूल जायेगी क्या ? ऐसी दुपहरी में चुपचाप कैसे काम किया जाता है ।

ज) स्त्री और पुरूष की परस्पर विश्वास-पूर्वक अधिकार रक्षा और सहयोग ही तो विवाह कहा जाता है । यदि ऐसा न हो तो धर्म और विवाह खेल है ?

झ) वह न बैकुंठ में जाएगी तो क्या ये मोटे-मोटे लोग जायेंगे, जो गरीबों को दोनो हाथों से लूटते हैं और अपने पाप को धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मंदिरों में जल चढ़ाते हैं ।

4. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

क) 'मिष्टर अभिमन्यु' नाटक के नामकरण पर विचार कीजिए ।

ख) काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था निबंध की समीक्षा कीजिए।

ग) कहानी कला की दृष्टि से 'मलबे का मालिक' कहानी की समीक्षा कीजिए।

घ) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र चित्रण कीजिए ।

ङ) कफन कहानी की समीक्षा कीजिए ।

———————